

- 18 आर्यावर्तो जन्मभूमिर्जिनचक्रार्धचक्रिणाम् ।
 19 पुण्यभूराचारवेदो मध्यं विन्ध्यहिमागयोः ॥ १४८ ॥
 20 गङ्गायमुनयोर्मध्यमत्तर्वेदिः समस्थली ।
 21 ब्रह्मावर्तः सरस्वत्या दृषद्वत्याश्च मध्यतः ॥ १४९ ॥
 22 ब्रह्मवेदिः कुरुक्षेत्रे पञ्चरामद्विद्वत्तत्तम् ।
 23 धर्मक्षेत्रं कुरुक्षेत्रं द्वादशयोत्रनावधि ॥ १५० ॥
 24 हिमवद्विन्ध्ययोर्मध्यं यत्प्राग्विनशनादपि ।
 25 प्रत्यगेव प्रयागाच्च मध्यदेशः स मध्यमः ॥ १५१ ॥
 26 देशः प्राग्दक्षिणः प्राच्यो नदीं यावच्चरावतीम् ।
 27 पश्चिमोत्तरस्तूदीच्यः
 28 प्रत्यतो मेच्छमाण्डलम् ॥ १५२ ॥
 29 पाण्डूदक्षक्षतो भूमः पाण्डूदक्षक्षमृत्तिके ।
 30 तद्भूलो निर्तलो

31 ऽनूपो ऽम्बुमा-

18. 19. Das Land zwischen Vindhja und Himâlaja (3 W.). —
 20. Das Land zwischen Gangâ und Jamunâ (2 W.). — 21. Das Land
 zwischen Sarasvatî und Dr̥shadvatî. — 22. Das in Kurukshetra
 zwischen den 5 Seen Râma's gelegene Land. — 23. Dharmakshetra
 oder Kurukshetra erstreckt sich auf 12 Jog'ana's. — 24. 25. Das
 Land zwischen dem Himâlaja und dem Vindhja, östlich von
 Vinaçana und westlich vom Zusammenfluss der Gangâ und Ja-
 munâ (2 W.). — 26. Das südöstliche Land bis zum Fluss Çarâ-
 vatî. — 27. Das nordöstliche Land bis zu demselben Flusse. — 28.
 Das Land der Mlek'k'ha's. — 29. 1) Eine Gegend mit hellem Bo-
 den. 2) Eine fruchtbare (?) Gegend. 3) Eine Gegend mit schwar-
 zem Boden (2 W. für jedes). — 30. Eine wasserarme Gegend (2 W.). —
 31. Eine wasserreiche Gegend (2 W.).